पैंगोलिन

TRAFFIC और वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर-इंडिया की एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि **वर्ष 2018-2022 तक भारत में अवैध वन्यजीव व्यापार के लिये 1,203 पैंगोलिन (वज्रशल्क) का शिकार किया गया** था।

- यह शिकार भारत के 24 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में **342 जब्ती घटनाओं में बरामद किया गया** था। जब्ती की सर्वाधिक घटनाएँ ओडिशा में हुई तथा यहीं से सर्वाधिक पैंगोलिन भी प्राप्त की गई थी।

मुख्य बिंदु:

- **परिचय:**
    - **पैंगोलिन रात्रिचर स्तनधारी** हैं जो बिलों को खोदते हैं तथा **चींटियों एवं दीमकों को खाते हैं** और पारिस्थितिकि तंत्र प्रबंधन में ज़्यादातर मिट्टी को वातकित करने और नमी जोड़ने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
    - पैंगोलिन अपने अनोखे रूप के लिये जाने जाते हैं। उनके पास केराटिन के बने शल्क होते हैं जो उनके पूरे शरीर को ढँकते हैं।
        - खतरे की स्थिति में, तो वे **स्वयं की सुरक्षा के लिये गेंद की भाँति रोल हो सकते हैं।**

//

- **पैंगोलिन की प्रजातियाँ:** पैंगोलिन की आठ प्रजातियाँ हैं:
    - **अफ्रीका में 4 प्रजातियाँ:** ब्लैक-बेल्ड पैंगोलिन, व्हाइट-बेल्ड पैंगोलिन, जाइंट ग्राउंड पैंगोलिन और टेम्मिंक्स ग्राउंड पैंगोलिन।

- **एशिया में 4 प्रजातियाँ:** भारतीय पैंगोलिन, फिलीपीन पैंगोलिन, सुंडा पैंगोलिन और चीनी पैंगोलिन।
- **प्राकृतिक आवास:**
  - यह **प्राथमिक और द्वितीयक** [उष्णकटिबंधीय जंगलों](), **चूना पत्थर और बाँस के जंगलों,** [घास के मैदानों]() और कृषि क्षेत्रों सहित आवासों की एक विस्तृत शृंखला के लिये अनुकूलनीय है।
  - भारतीय पैंगोलिन भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है जबकि **चीनी पैंगोलिन की उपस्थिति बिहार, पश्चिम बंगाल और असम में देखी गई है।**
- **खतरा या भय:**
  - इसकी आबादी, जो कभी व्यापक स्तर पर थी, **इनके प्राकृतिक अधिवास के क्षरण तथा त्वचा और मांस के लिये बड़े पैमाने पर अवैध शिकार के कारण तीव्र गति से घट रही है।**
  - **पैंगोलिन विश्व स्तर पर सबसे अधिक तस्करी किये जाने वाले जंगली स्तनधारियों** में से हैं, जिनका व्यापार ज़्यादातर एशिया में होता है, जहाँ **उनके शल्कों का प्रयोग औषधीय प्रयोग हेतु करते हैं तथा उनके मांस को स्वादिष्ट माना जाता है।**
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - [अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ]() **(International Union for Conservation of Nature- IUCN)** द्वारा प्रकाशित जानवरों की रेड लिस्ट में भारतीय पैंगोलिन को लुप्तप्राय (Endangered -EN) श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है।
    - जबकि चीनी पैंगोलिन को **"गंभीर रूप से लुप्तप्राय"** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
  - भारत में **भारतीय और चीनी** दोनों पैंगोलिन [वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972]() की अनुसूची 1 के तहत संरक्षित हैं, जो इसके **शिकार, व्यापार या किसी अन्य प्रकार के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।**
  - पैंगोलिन की सभी प्रजातियाँ [वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन]() **(Convention on International Trade in Endangered Species- CITES)** के **परिशिष्ट I में सूचीबद्ध हैं।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित प्राणियों पर विचार कीजिये (2021)

1. जाहक (हेज्हॉग)
2. शैलमूषक (मारमॉट)
3. वज्रशल्क (पैंगोलिन)

उपर्युक्त में से कौन-सा/से जीव परभक्षियों द्वारा पकड़े जाने की संभावना को कम करने के लिये, स्वयं को लपेटकर अपने सुभेद्य अंगों की रक्षा करता है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (d)

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pangolin-1